पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल ने महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में छात्राओं के ''आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम'' में आनलाइन प्रतिभाग किया

छात्राओं को शारीरिक प्रशिक्षण के साथ मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण भी दिया जाए

बेटियाँ घर से बाहर सर्तक रहकर ही व्यवहार करें

लखनऊः 14 अक्टूबर, 2022

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन से महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में 14 से 16 अक्टूबर, 2022 तक छात्राओं हेतु आयोजित तीन दिवसीय ''आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम'' के उद्घाटन में ऑनलाइन प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने छात्राओं को रक्षा हेतु शारीरिक प्रशिक्षण के साथ–साथ मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि छात्राएं और कामकाजी महिलाएं जिस मार्ग से प्रतिदिन आती–जाती हैं, उन्हें उस मार्ग के पुलिस स्टेशन तथा पिंक बूथ की जानकारी रखनी चाहिए, जिससे आवश्यकता होने पर मदद ली जा सके। राज्यपाल जी ने लड़कियों को घर से बाहर विविध प्रकार के लोगों से व्यवहारिक तौर पर ही बात–चीत करने, लोगों की मंशा को जान सकने का ज्ञान रखने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि बेटियाँ जो आचरण–व्यवहार घर में अपने भाई–बहन तथा अन्य पारिवारिक सदस्यों के साथ रखती हैं, घर से बाहर वे इससे अलग सतर्क रहकर ही व्यवहार करें।

कार्यक्रम में राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि इसमें केवल विश्वविद्यालय ही नहीं अपितु आस–पास के अन्य स्कूली छात्राओं, कामकाजी महिलाओं को भी प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। बेटियाँ आगे बढ़ रही हैं और समाज में बेटियों के प्रति लोगों का नजरिया भी बदला है। बेटियों को अपना क्षेत्रविस्तार करना है। घर से बाहर आने पर उन्होंने स्वयं की रक्षा के लिए सतर्कता का ज्ञान भी होना आवश्यक है।

इसी क्रम में राज्यपाल जी ने धोखाधड़ी की शिकार हुई लड़कियों के लिए कानूनी जानकारी की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे बहुत से प्रकरण उनके संज्ञान में आए हैं, जहाँ विदेश में पढ़ रही छात्रा अथवा विदेश में रह रहे युवक द्वारा देश की युवती से विवाह करके कुछ समय बाद प्रताड़ित करके छोड़ दिया गया, यहाँ तक की पासपोर्ट आदि भी छीन लिया गया है, ऐसे मामलों में पीड़िता की कानूनी सहायता के लिए भी किसी व्यवस्था पर विचार होना आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान रक्तदान शिविर के प्रस्तावित आयोजन के दृष्टिगत राज्यपाल जी ने कहा कि जिन छात्राओं में हीमोग्लोबिन प्रतिशत कम निकलता है, उनको उचित पोषण की सलाह देकर उनकी रिकवरी तक जानकारी भी रखी जाए।

इस अवसर पर समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ए0के0 त्यागी जी, कैलीफोर्निया–अमेरिका से आए श्री जेम्स फ्राडमैन, आइकिडो के चेयरमैन श्री डी0बी0 राय सहित अन्य अधिकारी तथा छात्राएं उपस्थित थे।

———

डा0 सीमा गुप्ता/राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 8318116361